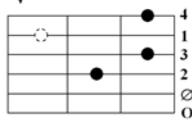
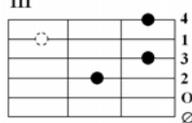


НАД ТВЕРДЬЮ ГОЛУБОЙ...
А. Хвостенко, А. Волохонский, музыка Ф. де Милано

②h | ①g f# e ②d# | ①e ②h h | ①h a g f# | g
 ⑥e ②c ③a | ⑥e ④e ③g | ④g f# e d# | ⑥e
 Над твердью голубой есть город золотой
 ①e ②h ①e | c h a g | f# g a c | h a g a | f#
 ③g | ④a g f# e | d# e f# a | g f# e f# | ⑤h
 С прозрачными воротами, с прозрачною стеной.
 ③a ②# h | ①g f# e ②d# | как 3 такт | как 4 такт | как 5 такт
 ⑥e ②c ④f# |
 В том городе сады, в них травы и цветы,
 как 6 такт | как 7 такт | как 8 такт
 В садах гуляют звери нездешней красоты.

①e ②h ①h | E₇^V h ③d d d d | d c h c c
 ⑥e ④e ③g | ⑥e ④g# g# g# g# | ⑤a
 Тебя там встретит огнегривый лев,
 ①a | D₇^{III} a ③c c c | ②c h ③a ②h h
 ⑤a ④f# f# f# | ⑥g
 И белый вол исполненный очей,
 Am⁶
 ④f# ③a ②c ①e a g f# e | e ②d#
 ③a
 ⑤c ⑤h
 С ними золотой орёл небесный,
 Am⁶
 ④f# ③a ②c ①e a g f# e | e ②d# ①e
 ③a ③g
 ⑤c ⑤h ⑥e
 Чей так светел взор незабываемый.

E₇^V


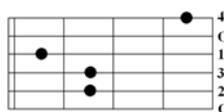
 D₇^{III}


А в тверди голубой горит одна звезда.
 Она твоя, о ангел мой, она твоя всегда.
 Кто любит тот любим, кто светел тот и свят.
 Пускай звезда ведёт тебя дорогой в дивный сад.

Тебя там встретит огнегривый лев,
 И белый вол исполненный очей,
 С ними золотой орёл небесный,
 Чей так светел взор незабываемый.

Окочание: E

по Луферову



по нотам

